Magisterprüfung im Hauptfach am 10.3.2004
Sprachen und Kulturen des neuzeitlichen Südasiens
Schriftliche Prüfung

Erster Teil (120 Minuten)
Bitte übersetzen Sie die zwei beigefügten Hindi-Texte; Sie dürfen dazu ein hindi-deutsches, hindi-englisches sowie englisch-deutsches Wörterbuch benutzen.
Vokabeln: ब्रजबुलि = eine Mischsprache aus Maithili und Bengalisch; भानुसिंह पदावली = ভানুসিংহের পদাবলী von রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর (Rabindranath Tagore), ein Werk in Brajabuli; भारतचन्द्र राय गुणाकर = der letzten große Dichter des Mittelbengalischen; एकच्छत्र wird auch एकछत्र geschrieben; लिंगुआ फ्रांका = Lingua franca.

Zweiter Teil (60 Minuten)
Bitte übersetzen Sie den beigefügten bengalischen Text; Sie dürfen dazu ein bengalisch-deutsches, bengalisch-englisches sowie englisch-deutsches Wörterbuch benutzen.
Vokabeln: অকাদেমি = academy (englisch); খোদ বিহারে = in Bihar selbst; হোল = হল; -গত = bezogen (auf); দ্র· = দ্রষ্টব্য; bei ঐ উপরের তিনটি প্রশ্ন handelt es sich um Fragen, die der Autor weiter oben gestellt hatte; ললিতনারায়ণ মিথিলা ist ein einziger Name; পোষ্ট-গ্রাজুয়েট = post-graduate (englisch); মাস্টার = master (englisch); কোর্স = course (englisch); ঐ তালিকা bezieht sich auf eine Liste von Hindi-"Dialekten"; অস্বীকার করা: besser wäre অস্বীকার করতে.

Dritter Teil (60 Minuten)
Bitte beantworten Sie folgende Fragen:
– 1) Was können Sie zum postulierten Einfluß von Hindi auf Bengalisch im zweiten Hindi-Text sagen, wenn Sie alle drei Texte (in Hindi und Bengalisch) berücksichtigen?
– 2) Sagen Sie bitte etwas zum Gebrauch von भाषा im ersten Hindi-Text.
– 3) Was können Sie zu aktuellen sozio-politischen Entwicklungen in Indien sagen, wenn Sie vom ersten Satz des zweiten Hindi-Textes ausgehen?
– 4) Was ist im Text wohl mit हिन्दुस्तानी gemeint? Sehen Sie dabei ein Problem? Wenn ja, welches?
– 5) Was sprechen die im Text erwähnten मजदूर wohl tatsächlich, wenn sie "Hindi" sprechen, das im Text ja auch "Lingua franca" genannt wird? Wie würden Sie das Argument für खड़ीबोली als Amtssprache vor diesem Hintergrund bewerten?

Hindi-Text 1

Der Text wurde S. 563 des Kapitels कविता की भाषा des Werkes हिंदी व्याकरण von कामताप्रसाद गुरु (8. Nachdruck काशी संवत २०२२) entnommen.

हिंदी कविता प्रायः तीन प्रकार की उपभाषाओं में होती है—ब्रज-भाषा, अवधी और खड़ीबोली। हमारी अधिकांश प्राचीन कविता में ब्रज-भाषा पाई जाती है और उसका बहुत कुछ प्रभाव अन्य दोनों भाषाओं पर भी पड़ा है। स्वयं ब्रजभाषा ही में कभी कभी बुंदेलखंडी तथा दूसरी दो भाषाओं का थोड़ाबहुत मेल पाया जाता है, जिससे यह कहा जा सकता है कि शुद्ध ब्रजभाषा की कविता प्रायः बहुत कम मिलती है। अवधी में तुलसीदास तथा अन्य दो चार श्रेष्ठ कवियों ने कविता की है; परंतु शेष प्राचीन तथा कई एक अर्वाचीन कवियों ने मिश्रित ब्रजभाषा में अपनी कविता लिखी है। आजकल कुछ वर्षों से खड़ीबोली अर्थात् बोल-चाल की भाषा में कविता होने लगी है। यह भाषा प्रायः गद्य ही की भाषा है।

Hindi-Text 2

Der Text wurde S. 380-381 des Kapitels राज्यभाषा – राष्ट्रभाषा des Werkes भाषा और समाज von रामविलास शर्मा (3. Auflage नई दिल्ली / पटना १९८९) entnommen.

हिन्दी भाषा के अखिल भारतीय महत्व का पहला कारण यह है कि वह भारत की सबसे बड़ी जाति की भाषा है। दूसरा कारण यह है कि उत्तर भारत, बंगाल, गुजरात और महाराष्ट्र तक की भाषाओं और हिन्दी के शब्द-भंडार में इतनी ज्यादा समानता है कि लोग उसे आसानी से समझ लेते हैं। तीसरा कारण यह है कि राजस्थान के व्यापारी और पूंजीपति भारत के विभिन्न प्रान्तों में फैले हुए हैं और साधारणतः वे हर जगह हिन्दी शिक्षा, प्रचार आदि में सहायता करते हैं। चौथा और सबसे महत्व-पूर्ण कारण यह है कि हिन्दी भाषी इलाके के मजदूर बम्बई, कलकत्ता जैसे बड़े-बड़े नगरों में भारी संख्या में मिलते हैं।

• • • • •

हिन्दी या हिन्दी क्षेत्र की बोलियां अन्य भाषाएं बोलने वालों को कैसे प्रभावित कर रही थीं, इसके प्रमाण ब्रिटिश राज्य कायम होने से पहले ही मिलते हैं। "ब्रजबुलि" अर्थात् मैथिली का प्रभाव बँगला पर पड़ा और वह इतना सरस था कि उस परम्परा का अनुसरण करते हुए आधुनिक काल में रवीन्द्रनाथ ने भानुसिंह पदावली की रचना की। श्री दिनेशचन्द्र सेन ने बँगला साहित्य के इतिहास में लिखा है कि अंग्रेजी राज से पहले बंगाल के कवि हिन्दुस्तानी सीखते थे; भारतचन्द्र राय गुणाकर संस्कृत के साथ फ़ारसी और हिन्दुस्तानी भी जानते थे। "दिल्ली के मुसलमान शाहंशाह के एकच्छत्र शासन के नीचे हिन्दी सारे भारत की सामान्य भाषा (लिंगुआ फ्रांका) हो गयी थी।"

Bengali-Text

Der Text wurde S. 46 des Werkes ঘরে বাইরে আক্রমণ: বাঙলা ভাষা von রত্নেশ্বর ভট্টাচার্য (কলকাতা ১৯৯০) entnommen.

বিহারে একটি হিন্দি অকাদেমি থাকা সত্ত্বেও আলাদা একটি মগহি অকাদেমি গড়তে হয়েছে ১৯৮০ সালে ! যদি মগহি হিন্দির উপভাষা হয় তবে খোদ বিহারেই আলাদা মগহি অকাদেমি গড়তে হোল কি প্রয়োজনে ? কাদের তুষ্ট করতে ? কি ভাষাগত উদ্দেশ্যে ? তেমনি বিহারে আলাদা ভোজপুরী অকাদেমিও আছে, তা নিয়ে হাঙ্গামাও আছে (দ্র· **India Today, April 15, 1987**) এবং তা নিয়ে আমার ঐ উপরের তিনটি প্রশ্নও আছে। এ-সব খতিয়ে দেখা প্রয়োজন। এ-ছাড়া বিহারে মৈথিলি অকাদেমিও আছে। মৈথিলি ভাষা ও সাহিত্য ভাগলপুর, বিহার, পাটনা ও ললিতনারায়ণ মিথিলা এই চারটি বিশ্ববিদ্যালয়ে পড়ানো হয়। এবং এর মধ্যে বিহার, পাটনা ও ললিতনারায়ণ বিশ্ববিদ্যালয়ে হিন্দি ও মৈথিলি দুটি ভাষারই পোষ্ট-গ্রাজুয়েট বিভাগ আছে। হিন্দি-মৈথিলি দুটি অভিন্ন ভাষা হলে আলাদা বিভাগ কেন ? আলাদা মাস্টার ও কোর্স কেন ?

• • • • •

ঐ তালিকায় রাজস্থানির কথাও আছে। যোধপুর বিশ্ববিদ্যালয়ে ভিন্ন-ভিন্ন বিভাগ থেকে রাজস্থানি ও হিন্দি পড়ানো হয়। পারা গেছে সেখানেও বিদ্বানমহলে এই মৌলিক বিভাজনকে অস্বীকার করা ?